निष्प्रभ नरक

==========

लक्ष्मी का नमन,
संतोषी का भजन,
पार्वती का मनन,
दामिनी का .....?

...

और कितना होगा पतन?
धुले कैसे ये करम अधम?
आहत हुआ भरत चमन,
क्या किया हमने जतन?

...

लज्जित आज मेरा वतन,
लाचार आज है इस प्रहर,
खंडित आज मेरा भरम,
आ खड़ा कलयुग चरम।

...

समीर खांडेकर
01.01.2013